प्रज्ञा कपूर ने की 13 साल बाद रैंप में वापसी

अभिनेत्री और मॉडल प्रज्ञा कपूर ने 13 साल के लंबे अंतराल के बाद लैक्मे फैशन वीक में रैंप वॉक कर फैशन की दुनिया में अपनी धमाकेदार वापसी की. इस अनुभव को साझा करते हुए प्रज्ञा ने आईएएनएस से बताया कि कैसे यह पल उनके लिए बेहद खास और यादगार रहा.

प्रज्ञा कपूर ने बताया कि इस बार रैंप पर लौटना उनके लिए सिर्फ एक वॉक नहीं था, बल्कि उनके करियर के सफर का एक प्रतीक था. उन्होंने कहा, 13 साल बाद लैक्मे फैशन वीक में वापसी ने मेरी पुरानी यादें ताजा कर दीं. इस बार मैं सिर्फ मॉडल के तौर पर नहीं बल्कि प्रोड्यूसर के रूप में वहां थी. इसने मुझे मेरे अब तक के सफर और अपने संघर्षों पर सोचने का मौका दिया. अपने पुराने दोस्तों से मिलना, जो अब भी फैशन की दुनिया में जादू बिखेर रहे हैं, बेहद खास अनुभव था.

प्रज्ञा ने फैशन को अपनी खुद की अभिव्यक्ति का माध्यम बताया. उन्होंने कहा, इस बार मैं रैंप पर इसलिए उतरी कि अपनी पहचान और सफर का जश्न मनाऊं, परफेक्ट लुक दिखाने के लिए नहीं. फैशन एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो नए आविष्कारों और क्रिएटिविटी के लिए आवाज बन सकता है.

मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में ग्लैमर का लगा तड़का

दिवाली काफी नजदीक है और हमेशा की तरह दिवाली पार्टियों का सिलसिला शुरू हो चुका है. इस बार फिल्मी दुनिया में इस पार्टी की शुरुआत मनीष मल्होत्रा ने की है. बीती रात हुई इस पार्टी की रौनक पूरी मुंबई पर भारी पड़ी.

पूजा हेगड़े भी मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में ग्लैमर का तड़का लगाते नजर आईं. उन्होंने लाइट पिंक कलर का ऑफ शोल्डर ब्लाउज और लहंगा पहना था.

एक बार फिर से एवरग्रीन ब्यूटी रेखा की तस्वीरें छा गई हैं, जिसके बाद से लोग उनके लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं. रेखा दुल्हन की तरह सजी धजी पहुंचीं. ऑरेंज कलर की साड़ी में एक्ट्रेस हुस्न की मल्लिका लग रही थीं.

लोगों का दिल जीतने वाले कपल जेनेलिया और रितेश देशमुख मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में पहुंचे. इस दौरान एक्ट्रेस ने ग्रीन और एक्टर ने ऑफ व्हाइट शेरवानी पहनी थीं.

जैकलीन फर्नांडीज ने मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में एक शानदार आइवरी लहंगा पहना था, जिसमें सिल्वर सेक्विन और नेट एम्ब्रॉयडरी थी.

नीता अंबानी अपनी बहू राधिका मर्चेंट संग पहुंचीं. इस पार्टी के लिए राधिका ने ऑफ व्हाइट कलर की साड़ी वियर की और साथ में नेकलेस और ईयररिंग्स भी मैच किए.

माधुरी दीक्षित ने भी अपने ग्लैमर का तड़का लगाया. वह डार्क ब्लू कलर की साड़ी में करण जौहर के साथ पार्टी में एंट्री करते नजर आईं. वहीं, करण ऑल ब्लैक आउटफिट में दिखाई दिए.

सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने डांस से लगाया चार चांद

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स के मंच पर अपनी दमदार परफॉर्मेंस से आग लगा दी.

शनिवार की रात अहमदाबाद में हुये 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में सिद्धांत चतुर्वेदी ने बॉलीवुड के दिग्गज डांस आइकॉन शम्मी कपूर, जितेन्द्र, मिथुन चक्रवर्ती, गोविंदा, शाहिद कपूर और ऋतिक रोशन को एक शानदार ट्रिब्यूट दिया.अपनी एनर्जी, चार्म और स्टेज प्रेज़ेंस के लिए मशहूर सिद्धांत ने दर्शकों को बॉलीवुड के डांस के सुनहरे दौरों की एक नॉस्टैल्जिक यात्रा पर ले गए.

एक स्पेशल कोरियोग्राफ्ड मेडली में सिद्धांत ने इन सभी सितारों के आइकॉनिक सिग्नेचर गानों पर डांस किया, जो हिंदी सिनेमा में डांस की यात्रा और विकास को दर्शाते हैं. उन्होंने शुरुआत की शम्मी कपूर के जोश और करिश्मे से भरे गाने चाहे कोई मुझे जंगली कहे से, जिसमें उनका विंटेज अंदाज़ और एनर्जी देखने लायक थी. इसके बाद उन्होंने जितेन्द्र के सदाबहार गाने एक आँख मारूं तो पर डांस करते हुए उनका जंपिंग जैक स्टाइल बखूबी पेश किया. मंच तब पूरी तरह 80 का दशक डिस्को वाइब्स में रंग गया जब सिद्धांत ने मिथुन चक्रवर्ती के कल्ट हिट जूली जूली पर धमाकेदार डांस किया. उन्होंने फिर गोविंदा के मज़ेदार अंदाज़ और कॉमिक टाइमिंग को आपके आजाने से के जरिए दोहराया, जिससे दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान आ गई.

स्वस्थ खाने की आदतें भी सीखे : सोहा अली

बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान बताती हैं कि वह कैसे अपने परिवार के साथ त्योहारों का आनंद संतुलित और सजग तरीके से मनाती हैं — दीवाली परिवार और दोस्तों के साथ मिलन और खुशियों का त्योहार है. एक माँ होने के नाते, मैं चाहती हूँ कि इनाया सभी उत्सवों का आनंद ले, लेकिन साथ ही स्वस्थ खाने की आदतें भी सीखे. मैं उसे हमेशा यह सिखाने की कोशिश करती हूँ कि जो खाना हम खाते हैं, उसमें क्या-क्या शामिल होता है.

मैंने हमारी दीवाली को और अधिक स्वस्थ बनाने का तरीका खोज लिया है — ज्यादा चीनी और कार्ब वाले खाद्य पदार्थों की जगह बादाम जैसे प्रोटीन-समृद्ध और पोषक तत्वों से भरपूर विकल्पों को अपनाकर. आहार फाइबर और प्रोटीन से भरपूर बादाम लंबे समय तक भूख नियंत्रित रखने में मदद करते हैं.

चंदू चैंपियन की टीम ने मनाया जश्न

फिल्म चंदू चैंपियन की टीम ने कार्तिक आर्यन के पहले सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के फिल्मफेयर पुरस्कार जीतने का जश्न मनाया है.

चंदू चैंपियन की टीम एक गर्व और जश्न भरी रात के लिए एक साथ आई, जब कार्तिक आर्यन ने भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की प्रेरणादायक भूमिका निभाने के लिए अपना पहला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार अपने नाम किया.

निर्माता साजिद नाडियाडवाला, निर्देशक कबीर ख़ान अपनी पत्नी मिनी माथुर के साथ, को-प्रोड्यूसर वार्दा नाडियाडवाला और भूषण कुमार इस खास मौके पर मौजूद थे, जिससे यह पल फिल्म की पूरी टीम के लिए यादगार बन गया.अपनी सादगी और विनम्रता को बरकरार रखते हुए कार्तिक ने इस सफलता की खुशी पूरी टीम के साथ साझा की और उनके मेहनत और भरोसे को अपनी जीत का असली कारण बताया.

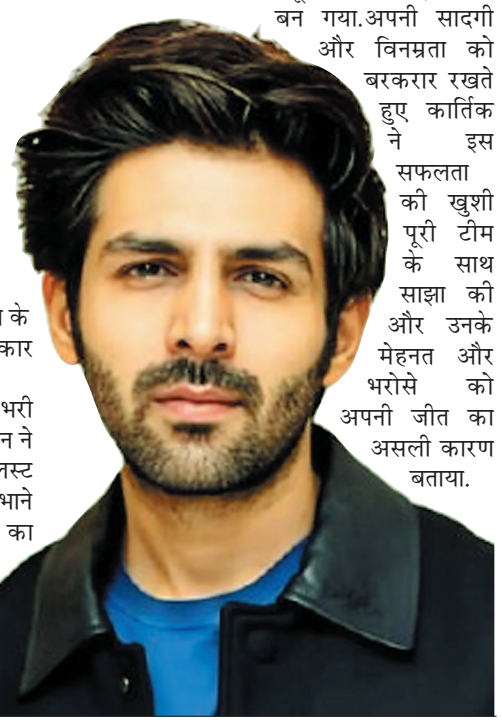

शेमारू जोश पर फेस्टिव मूवी धमाका

इस अक्टूबर, दिवाली तक आपका लिविंग रूम एक मिनी थिएटर में बदल जाएगा. त्यौहारों की रौनक और बॉलीवुड के जादू के साथ, शेमारू जोश लेकर आ रहा है 21 दिन का जश्न, 21 ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ.

इस धमाकेदार लाइन-अप के साथ दर्शकों को ऐसा महसूस होगा, मानो दिवाली समय से पहले ही आ गई हो. यह महीना सिनेमा-प्रेमियों के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं, जहाँ होगा धड़कनों को तेज़ कर देने वाला एक्शन, पेट पकड़कर हँसा देने वाली कॉमेडी, दिल में हलचल मचाने वाला रोमांस और दर्शकों पर छाप छोड़ जाने वाला ड्रामा. यानी, हर जज़्बात और हर एहसास का असली उत्सव!

जहाँ एक्शन से भरपूर केजीएफ- चैप्टर 1 और एनिमल फिल्म आपके रोमांच को बढ़ाएगी. वहीं, रोमांस के दीवानों के लिए है तू झूठी मैं मक्कार, जिसमें रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की धमाकेदार केमिस्ट्री सबका दिल जीत लेगी. डर और हँसी का अनोखा कॉम्बिनेशन है भूल भुलैया 2 और देसी मिट्टी की खुशबू और रहस्य से भरपूर कहानी है कांतारा, जिसने पूरे भारत में दर्शकों का दिल छू लिया. यह तो सिर्फ झलक है, 22 अक्टूबर तक देखने को मिलेगी और भी कई ऐसी शानदार फिल्में, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतज़ार रहा है.

स्नेहा किरदार निभाना मेरे लिए एक खूबसूरत सफर : अमनदीप

ज़ी टीवी के दिलचस्प फैमिली ड्रामा गंगा माई की बेटियां को वाराणसी के खूबसूरत घाटों के बीच महिलाओं की हिम्मत और जज़्बे को दिखाने के लिए सराहा गया है. इस कहानी के केंद्र में है स्नेहा, जिसे अमनदीप सिद्धू ने निभाया है - गंगा माई (शुभांगी लाटकर) की बहादुर, समझदार और बेहद आत्मनिर्भर बेटी.गंगा माई की बेटियां सिर्फ कहानी नहीं सुनाती, बल्कि जिंदगी का आईना दिखाती है.

इस शो की खासियत यही है कि यह एक अकेली मां और उसकी बेटियों की कहानी के जरिए इन मूल्यों का जश्न मनाता है. मुझे इसमें उन कई महिलाओं की झलक दिखती है जो अपने जीवन में रोज मजबूती से खड़ी रहती हैं चाहे वो परिवार में हों, दोस्तों में या कोई अनजान महिला. यह मुझे याद दिलाता है कि ऐसी कहानियां कहना क्यों जरूरी है. मेरे लिए स्नेहा सिर्फ एक किरदार नहीं है, वो उन कई लड़कियों की आवाज़ है जिन्हें हम हर दिन देखते हैं. उसकी निडरता और स्पष्ट सोच मुझे बहुत पसंद है. वो बेझिझक बोलती है, अपने परिवार के लिए खड़ी होती है और समाज में हो रहे अन्याय को खुलकर चुनौती देती है. मुझे अच्छा लगा कि उसे महत्वाकांक्षी और भावनाओं से जुड़ा दोनों दिखाया गया है. अपने पिता द्वारा छोड़े जाने का दर्द वो कमजोरी नहीं, ताकत में बदल देती है.

कृषि जगत

बकरियों में बांझपन की समस्या है गंभीर

जानवरों में कई रोगों के होने का खतरा अधिक रहता है. इन्हीं में से एक समस्या है बांझपन की. आमतौर पर पशुओं में बांझपन की समस्या काफी गंभीर होती है. यह स्तिथि ज्यादर बकरियों में देखने को मिलती है. अगर किसी बकरी में बांझपन के लक्षण दिखते हैं तो पशुपालक उन्हें खुला छोड़ देते हैं या पैसे के लिए बूचड़खाने में बेच देते हैं. आइए जानते हैं बकरियों में होने वाली इस समय और इससे बचाव के तरीके के बारे में.

क्या है बांझपन, बकरी कैसे होती है प्रभावित- बकरियों में बांझपन एक गंभीर समस्या है. एक बार जब कोई बकरी बच्चे को जन्म देती है तो अगले बच्चे के जन्म तक बकरी पालक के लिए यह बोझ बन जाती है, जिससे बकरी पालक को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है.

ये है कारण- जब कोई बकरी इससे पीड़ित होती है तो बकरी के गर्भाशय स्राव, गोबर, नाल आदि के माध्यम से बीमारी बाहर निकलते हैं और फिर अन्य पशुओं को भी संक्रमित कर देते हैं. यह संक्रमण स्राव से सना हुआ चारा खाने और एक दूसरे के करीब आने से होता है. जिसके कारण अन्य जानवर भी इस रोग से पीड़ित हो जाते हैं.

रोग की पहचान और बचाव

जब कोई बकरी इस रोग से पीड़ित होती है तो इसका एक बड़ा लक्षण गर्भपात के रूप में दिखता है. गर्भपात से पहले सूजन आती है और भूरे रंग का स्राव होता है. साथ ही थन सूज कर लाल हो जाता है. इस बीमारी के इलाज और रोकथाम के लिए बीमार पशु को पूरी तरह से अलग कर देना चाहिए. उनके बाड़ों को साफ-सुथरा रखना चाहिए.

कैक्टस से होती है मोटी कमाई

कैक्टस को ज्यादातर लोग बेकार समझते हैं. लेकिन, इसको खेत में लगाने के बहुत फायदे हैं. किसान इन फायदों को जानकार हैरान रह जाएंगे. कैक्टस का पेड़ प्राकृतिक खेती में उपयोगी है. यह कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करता है और ऑक्सीजन छोड़ता है

बंजर जमीन से भी होगा फायदा - किसानों के लिए अब सूखी और बंजर भूमि भी लाभ का स्रोत बन सकती है.विशेषज्ञों का मानना है कि सूखे क्षेत्रों में कैक्टस की खेती न केवल किसानों को पर्याप्त चारा उपलब्ध कराती है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सुदृढ़ भी बनाती है. पारंपरिक फसलों की तुलना में कैक्टस की खेती में कम पानी, कम देखभाल और लंबी अवधि तक टिकाऊ उपज मिलती है. इसके अलावा, यह पौधा सूखे और गर्म मौसम में भी जीवित रहता है, जिससे खेत की जमीन बंजर नहीं रहती और पशुधन के लिए पर्याप्त चारा उपलब्ध होता है.

कैक्टस से बने और भी प्रॉडक्ट्स - राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र जैसे राज्य जहां बार-बार सूखा पड़ता है, वहाँ के किसान कैक्टस की खेती को अपनाकर अपने खर्चों में कमी और आय में वृद्धि कर सकते हैं. कैक्टस की खेती से किसानों को अच्छी आय भी मिलती है क्योंकि इसका फ्रेश और सूखा चारा दोनों बाजार में आसानी से बिकता है. इसके गुटके, पत्ते और पत्तेदार भाग पशुओं के लिए पौष्टिक होते हैं और इन्हें डेयरी फार्म, मवेशी पालन और बकरी पालन में सीधे उपयोग किया जा सकता है. इसके अलावा, कैक्टस का जूस, जैल और अन्य उत्पाद भी तैयार किए जा सकते हैं, जिससे किसानों की आय का स्रोत और बढ़ जाता है.

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

विशेषज्ञों का सुझाव है कि किसानों को बीज, अंकुरण तकनीक और पोषण प्रबंधन पर प्रशिक्षण लिया जाना चाहिए. इससे छोटे और सीमांत किसान भी कम निवेश में लाभकारी कैक्टस फार्मिंग शुरू कर सकते हैं. समय की बचत और पर्यावरण के अनुकूल खेती के विकल्प के रूप में कैक्टस न केवल सूखे क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है बल्कि यह किसानों को सस्टेनेबल और लाभकारी व्यवसाय के रूप में भी अवसर प्रदान करता है.

फसल में पोषक तत्वों की कमी पहचानें?

फसलों में आप कौन सा उर्वरक इस्तेमाल कर रहे हैं, इसका फायदा तभी मिलता है जब किसान को ये पता हो कि फसल में किस पोषक तत्व की कमी है. अगर फसल या मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो जाए तो उसका असर सीधे फसल की पौधे की पत्तियों, तनों पर दिखता है. किसान यदि समय पर इन लक्षणों को पहचान लें, तो फसल को भारी नुकसान से बचाना बेहद आसान हो जाता है.

1. नाइट्रोजन की कमी के लक्षण- जब पौधे में नाइट्रोजन की कमी होती है तो इसके पुराने पत्ते पहले पीले पड़ते हैं इससे पौधे की ग्रोथ रुक जाती है और पूरी फसल कमजोर होने लगती है. अगर फसल में ये लक्षण दिखने लगें तो यूरिया या अमोनियम सल्फेट का इस्तेमाल का इस्तेमाल करें.

2. फास्फोरस की कमी- अगर फसल में फास्फोरस की कमी होने लगे तो पत्तियों का रंग गहरा हरा या बैंगनी होने लगता है. फास्फोरस की कमी से फसल पकने में भी समय लगाती है. फास्फोरस की कमी का उपाय ये है खेत में सिंगल सुपर फास्फेट या DAP का छिड़काव कर सकते हैं.

पोटाशियम की कमी के संकेत- जब फसल की पुरानी पत्तियां अपने किनारों से पीली होकर सूखने लगें तो ये पोटाशियम की कमी का संकेत है. इसकी कमी से पौधे की रोग प्रतिरोधक क्षमता घट जाती है इसका उपाय ये है कि म्यूरेट ऑफ पोटाश का खेत में छिड़काव करें.

मिर्च की ये टॉप किस्में देंगी अधिक उत्पादन

मसाला फसलों में मिर्च का अपना एक अलग महत्वपूर्ण स्थान है. ये किसानों के लिए नकदी फसल मानी जाती है. इसकी बाजार मांग को देखते हुए मिर्च की खेती किसी भी तरह घटे का सौदा नहीं है. मिर्च की मांग पूरे बारह माह बाजार में बनी रहती है.

अर्का मेघना- यह आईएचआर 3905 (सीजीएमएस) और आईएचआर 3310 के संकरण का एफ1 संकर है. अगेती किस्म फल गहरे हरे और परिपक्वता होने पर गहरे लाल होते हैं. विषाणुओं और चूषक कीटों के प्रति प्रक्षेत्र सहनशील है. इसे अ.भा.स.अनु.प. (सब्जी फसल) की 23वीं बैठक के दौरान 2005 में राष्ट्रीय स्तर पर विमोचित करने हेतु अनुशंसित और 2006 में अधिसूचित किया गया था.

अर्का मेघना की विशेषताएं और लाभ- अर्का मेघना किस्म/प्रजाति की मिर्च के पौधे लंबे, ओजस्वी एवं गहरे रंग के होते हैं. इसके फल की लम्बाई 10 से.मी. एवं रंग गहरा हरा होता है. इसकी परिपक्वता अवधि 150 से 160 दिनों की होती है. यह हरे एवं लाल दोनों तरह के फलों के लिए उपयुक्त किस्म है. यह प्रजाति चूर्णिल आसिता व वायरस के प्रति सहनशील होती है. अर्का मेघना उच्च उपजवाला संकर बीज है जिसकी उपज क्षमता काफी अच्छी है.

2. अर्का श्वेता- यह आईएचआर 3903 और आईएचआर 3315 के संकरण का एफ1 संकर है. फल चिकने, हल्के हरे और परिपक्व होने पर लाल होते हैं. विषाणुओं के प्रति प्रक्षेत्र सहनशील. पूरे देश में विमोचन हेतु अर्का श्वेता की अनुशंसा सीएसएन एवं बागवानी फसल की आरवी पर सीएससी की 14वीं बैठक के दौरान 2007 में की गई.

अर्का श्वेता की विशेषताएं और लाभ- अर्का श्वेता उच्च उपजवाली संकर प्रजाति/किस्म है. मिर्च की इस किस्म की लंबाई लगभग 13 से.मी. एवं मोटाई 1.2 से 1.5 से.मी तक होती है. यह किस्म विषाणु रोग के प्रति सहनशील होती है. इस किस्म से 28-30 हरी मिर्च एवं 4-5 टन लाल मिर्च प्रति हैक्टेयर के अनुसार पैदावार प्राप्त की जा सकती है.

काशी सुर्ख- काशी सुर्ख सेमी लाइन (सीसीए 4261) और पूसा ज्वाला से प्राप्त इनब्रेड के बीच एक क्रॉस का एफ1 हाइब्रिड है. पौधे अर्ध-निर्धारित (1-1.2 मीटर), तने पर खड़े और नोडल रंजकता वाले होते हैं. फल हल्के हरे, सीधे, लंबाई 11-12 सेमी, हरे और लाल फलों के उत्पादन के लिए उपयुक्त होते हैं.

काशी सुर्ख मिर्च विशेषताएं और लाभ- इस किस्म/प्रजाति के पौधे लगभग 70 से 100 से.मी. मोटे ऊंचे एवं सीधे होते हैं. फल 10 से 12 से.मी. लंबे, हल्के हरे, सीधे तथा 1.5 से 1.8 से.मी. मोटे होते हैं. यह फल सूखे एवं लाल दोनों प्रकार के लिए उत्तम किस्म है.